पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी वायचंद्र ने की वायसरॉय वेदांता रिपोर्ट की कडी निंदा

उदयपुर। वेदांता लिमिटेड ने कहा है कि कंपनी ने भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डॉ. डी.वाय.चंद्र चूड से एक विस्तृत कानूनी सलाह प्राप्त की है, जिसमें कंपनी की ओर से किसी गडबडी का उल्लेख नहीं किया गया है। यह सलाह वायसरॉय रिपोर्ट की विश्वसनीयता पर सवाल उठाती है। कंपनी ने यह सलाह स्टॉक एक्सचेंजों में भी दर्ज कराई है।

20 पेज की सलाह में कहा गया है कि अमेरिका स्थित शॉर्ट-सेलर वायसराय रिसर्च ग्रुप की हालिया रिपोर्ट मानहानिकारक है, इसमें विश्वसनीयता का अभाव है, यह गैरकानूनी वित्तीय लाभ के लिए बाजार में हेरफेर करने के इरादे से बनाई गई है, और भारतीय न्यायशास्त्र के तहत कानूनी जाँच में टिक नहीं पाएगी। सलाह में आगे कहा गया है कि वेदांता मानहानि के संबंध में पर्याप्त सुरक्षा और उचित उपायों के लिए भारतीय न्याय प्रणाली का सहारा ले सकती है। डॉ.चंद्र चूड की राय शोधकर्ताओं और रिपोर्ट की विश्वसनीयता के साथ-साथ इसे जारी किए जाने के समय पर भी गंभीर सवाल उठाती है। पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि शोधकर्ताओं की संदिग्ध साख रिपोर्ट की विश्वसनीयता को लेकर आशंका उत्पन्न करती है। उन्होंने यह भी कहा कि वायसरॉय द्वारा अन्य कंपनियों के संबंध में प्रकाशित इसी तरह की रिपोर्ट्स के खिलाफ भारत और दुनिया भर में कई मुकदमे किए गए हैं।

सलाह में कहा है कि 'ऐसा लगता कि रिपोर्ट जारी करने के लिए जान-बूझ कर यह समय चुना गया है, जब समूह पोजिटीव क्रेडि एवं रीफाइनैंसिंग की सफलता के दौर से गुजर रहा है'। यह रिपोर्ट वेदांता के डीमर्जर पर बुरा प्रभाव उत्पन्न कर सकती है, पूर्व सीजेआई ने कहा कि 'विशेष रूप से, यह समय वेदांता समूह की कुछ संस्थाओं के प्रस्तावित डीमर्जर का समय भी है।' यह देखते हुए कि वायसरॉय ने 'भडकाउ और अपमानजनक' भाषा का इस्तेमाल किया है, सलाह में कहा गया है कि शॉर्ट सेलर की रिपोर्ट मेंगैर-जिम्मेदाराना संदर्भ और बिना किसी सबूत के अस्पष्ट बातें शामिल हैं। पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि ऐसी भाषा का उद्देश्य निष्पक्ष और संतुलित दृष्टिकोण प्रस्तुत करने के बजाय सनसनी फैलाना है। इस सलाह में वायसराय रिपोर्ट की अविश्वसनीयता के तीन विशिष्ट कारण दिए गए हैं: पहला, ऐसी रिपोर्टों के माध्यम से शॉर्ट सेलिंग से मुनाफा कमाने में वायसरॉय का स्थापित रिकॉर्ड; दूसरा, प्रकाशन के पीछे शोधकर्ताओं की संदिग्ध साख, और तीसरा, रिपोर्ट के प्रकाशन का संदिग्ध समय, जो वेदांता के प्रस्तावित डीमर्जर का समय है, जिसके सफल होने पर बाजार में तेजी आ सकती है और शॉर्ट सेलर्स को नुकसान हो सकता है।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड ने वायसरॉय द्वारा अपनाई गई एक मॉडस ऑपरेंडी का भी उल्लेख किया है: लक्षित कंपनी (इस मामले में, वेदांता रिसोर्सेज) के शेयरों या बॉन्ड में शॉर्ट पोजीशन लेना। इसके बाद कंपनी से कोई स्वतंत्र सत्यापन प्राप्त किए बिना, सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी के आधार पर विकृत तथ्यों वाली एक तथाकथित शोध रिपोर्ट प्रकाशित करना।

अंत में, उनकी रिपोर्ट से उत्पन्न घबराहट के कारण शेयर कीमतों में आई गिरावट से लाभ कमाना। उन्होंने अपनी बात को जारी रखते हुए कहा कि एक मशहूर शॉर्ट-सेलर होने के नाते, वायसरॉय, शेयर कीमतों को प्रभावित करने के लिए ऐसी रिपोर्ट जारी करता रहा है, जिससे लक्षित संस्था की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचे। वेदांता के मामले में भी, रिपोर्ट में दिए गए बयानों ने कॉर्पोरेट विश्वसनीयता को नुकसान पहुँचाने की कोशिश की है। डॉ चंद्रचूड ने यह भी कहा कि 'इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि रिपोर्ट जनहित से प्रेरित थी...बाजार में हेरफेर करने के इरादे से पेश की गई थी।'

111 प्रतिभाएं सम्मानित

उदयपुर। नेशनल यूथ पार्लियामेंट ऑफ़ द भारत (डिजिटल मंच) के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण मंच और फॉस्टर श्रीकल्याणेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान में रविवार को जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय प्रताप नगर के आईटीआई सभागार में आयोजित समारोह में देश भर के 111 प्रतिभाओं को पर्यावरण, चिकित्सा, शिक्षा, लेखन, सामाजिक आदि उल्लेखनीय कार्य कर समाज को मुख्य धारा में जोड़ने में अहम भूमिका के लिए राष्ट्रीय फॉस्टर गौरव रत्न सम्मान से नवाजा गया। कार्यक्रम कोऑर्डिनेटर डॉ. ललित नारायण आमेटा राष्ट्रीय अध्यक्ष नेशनल यूथ पालिय्यामेंट के अनुसार कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ.क्ष्मीनारायण आमेटा, राष्ट्रीय अध्यक्ष.राष्ट्रीय पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण मंच ने की। मुख्य अतिथि में रवि चाणक्य,राष्ट्रीय पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण मंच के मुख्य संयोजक नई दिल्ली थे। डॉ.ललित नारायण आमेटा के अनुसार कार्यक्रम में सम्मानित होने वाले में उत्तर प्रदेश से पाचं, दिल्ली से दो,दमन दीव से एक,मुम्बई से दो,चंडीगढ़ से एक, मध्य प्रदेश से एक,बिहार से एक, हरियाणा से दो,चित्तौड़गढ़ से आठ, राजसमंद से 15, सलूंबर से तीन,जोधपुर से पांच, डूंगरपुर से चार,बांसवाड़ा से दो,जयपुर से पांच,सीकर से एक,नागौर डीडवाना एक,धौलपुर से एक,श्रीगंगानगर से एक,अजमेर से सात,भीलवाड़ा से दो,टोंक से दो, प्रतापगढ से दो, अलवर से दो,पाली से दो, बाड़मेर से एक,बीकानेर से तीन, दौसा से तीन,सिरोही से एक, उदयपुर से 32 सहित कुल 111 को राष्ट्रीय फॉस्टर गौरव रत्न सम्मान से नवाजा गया।

रक्तदान हमारा कर्म, फर्ज एवं धर्म है : के के गुप्ता

डूंगरपुर। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन के 12 वे स्थापना दिवस के अवसर पर एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन महावीर इंटरनेशनल डूंगरपुर के स्थानीय रोग निदान केंद्र परिसर में फेडरेशन के संरक्षक नगर परिषद डूंगरपुर के पूर्व सभापति के के गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में ब्लड बैंक सेंटर, स्व. हरिदेव जोशी सामान्य चिकित्सालय के सानिध्य में आयोजित किया गया।

समारोह का शुभारंभ भगवान महावीर की छवि पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन एवं प्रार्थना के साथ हुआ। इसके बाद रक्तदान का विधिवत प्रारंभ हुआ। प्रारंभ में महावीर इंटरनेशनल के अध्यक्ष वीर विजय जैन ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी एवं संस्था की विकास यात्रा में गुप्ता के योगदान का उल्लेख किया। मुख्य अतिथि के के गुप्ता ने फेडरेशन के 12 वे स्थापना दिवस की सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने फेडरेशन के संस्थापक स्व रामदास जी अग्रवाल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए फेडरेशन की स्थापना में उनके योगदान को उल्लेखित किया।

उन्होंने महावीर इंटरनेशनल डूंगरपुर की विकास यात्रा में हुए कामों का भी विशेष उल्लेख करते हुए घोषणा की कि जिन रक्तदाताओं द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान किया जाएगा उन्हें फेडरेशन की मानद सदस्यता भी प्रदान की जाएगी। गुप्ता ने कहा कि डूंगरपुर नगर स्वच्छता जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण सहित अनेको नवाचारों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पटेल पर अव्वल रहा है और इस सम्मान को हासिल करने के लिए डूंगरपुर के प्रत्येक वर्ग का योगदान मिला है इसी क्रम में रक्तदान के पुनीत कार्य में हम सभी बडे कीर्तिमान हासिल करें कि जब भी जिले के आसपास के क्षेत्र में रक्त की आवश्यकता पडे तो वहां की ब्लड बैंक अथवा संस्थाएं डूंगरपुर शहर को याद करें। सभा को फेडरेशन की स्थानीय इकाई के अध्यक्ष नगीन लाल जैन, महावीर इंटरनेशनल के जोन चेयरमैन पृथ्वीराज जैन ने भी संबोधित किया।

ब्लड बैंक प्रभारी अधिकारी डॉ राजेश सरैया ने ब्लड बैंक की विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए वर्तमान ब्लड सेपरेशन इकाई की स्थापना के बारे में जानकारी प्रदान की। उन्होंने ब्लड डोनेशन की आवश्यकता, स्वास्थ्य पर प्रभाव का उल्लेख करते हुए आम जन से अधिक से अधिक रक्तदान करने हेतु आव्हान किया। इस संबंध में डॉ दलजीत यादव चेयरमैन इंडियन रेड क्रास सोसाइटी ने भी विचार प्रस्तुत किए। ब्लड डोनेशन शिविर के संयोजक पद्मेश गांधी ने जिले में रक्तदान जागरूकता अभियान के बारे में जानकारी प्रस्तुत की। इस अवसर पर फेडरेशन की युवा शाखा के अध्यक्ष सुबोध सरैया एवं प्रांतीय सदस्य रोशन दोशी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आज एक महिला सहित लगभग 21 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। मुख्य अतिथि द्वारा सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल डूंगरपुर के अध्यक्ष वीर विजय जैन ने अवगत करवाया कि संस्था के विकास यात्रा में गुप्ता के योगदान को महावीर इंटरनेशनल के एपेक्स कार्यालय द्वारा भी हाल ही में जयपुर के बिडला ऑडिटोरियम में संपन्न गोल्डन जुबिली सेलिब्रेशन - सेल्यूट में भी अभिनंदन पत्र प्रदान किया था। कार्यक्रम में अध्यक्ष विजय जैन, जोन चेयरमैन पृथ्वीराज जैन, गवर्निंग काउंसिल सदस्य विनोद दोशी, कोषाध्यक्ष अशोक दोशी एवं पूर्व अध्यक्ष शरत सरैया द्वारा उन्हें समर्पित किया गया। कार्यक्रम में ब्लड बैंक की और से डॉ निशांत कटारा, मोहन यादव, खुमान सिंह चौहान, पूनम राठौड, स्वागतलक्ष्मी त्रिवेदी, निलेश गमेती, संजय डामोर, ममता कटारा, तारा यादव एवं मुकेश बलात ने भाग लिया। महावीर इंटरनेशनल की और से संजय गांधी, केसु भाई, अभिषेक दोशी, नीरव जैन, अविचल जैन, हितेश दावडा, मयंक सरैया, पंकज कोटडिया, रोहित दोशी, राजेश गोठी, प्रकाश जैन, हर्षवर्धन जैन इत्यादि ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त वीरा प्रियदर्शना की अध्यक्ष कल्पना दोशी इत्यादि ने भी भाग लिया। धन्यवाद आलोक शाह संचालन राजेश डैंडू ने किया।

रैफल्स की उदयपुर में एक और शुरूआत

उदयपुर। लेकसिटी में आने वाले देश विदेश के पर्यटकों को अब उदयसागर झील के शांत किनारों पर रैफल्स लेकशोर उदयपुर' एक नया और शानदार अनुभव प्रदान करेगा। यह नया होटल अपने आइलैंड पर बने रैफल्स उदयपुर का ही विस्तार है, जो मेहमानों को अदभूत आकर्षण और आधुनिक सुख-सुविधाओं का अनूठा संगम प्रदान करेगा।

यह नया लेकशोर होटल 36 शानदार कमरों और सुइट्स के साथ तैयार है, जिनमें 28 कमरे और 8 सुइट्स शामिल हैं। हर कमरे को राजस्थान की कला और औपनिवेशिक शैली का मिश्रण दिखाते हुए सावधानी से सजाया गया है जहां की बडी खिडकियों से झील के सुंदर नजारे दिखते हैं। खास फर्नीचर व प्राकृतिक बनावट शांतिपूर्ण वातावरण और शानदार अनुभव देते हैं। सुइट्स में अलग बाथटब आराम के लिए डिजाइन किए गए हैं। मेहमानों का स्वागत 'द ग्रेट हॉल' में किया जाएगा, जहां ऊंची छतें, हाथ से बनी पेंटिंग और चमकदार झूमर एक भव्य माहौल बनाते हैं। यहीं पर रैफल्स की प्रसिद्ध 'आफ्टरनून टी' को स्थानीय स्वाद के साथ नया रूप दिया गया है, जो पंरपरागत यादों और नए अनुभवों के मिश्रण का अहसास कराएगा। 'द ट्रेलिस रूम' में भारतीय क्षेत्रीय व्यंजनों को आधुनिक तरीके से परोसा जाएगा, आगन्तुक मेहमान चाहें तो भोजन का आनंद होटल के अंदर या तारों के नीचे खुले में बैठकर ले सकते हैं। 'द टी रूम' में चाय प्रेमियों के लिए शांत जगह है, जहां बेहतरीन चाय और स्वादिष्ट पेस्ट्री का शानदार चुनाव उपलब्ध होगा। इसका अन्य आकर्षण होगा 'द मार्बल हॉल' यह यूरोपीय संस्कृति और परिष्कृत कॉकटेल का अनुभव कराएगा। छत पर स्थित 'द बेल्वेडियर' उदयपुर के सुनहरे सूर्यास्त के सामने हल्के-फुल्के भोजन और बातचीत के लिए आदर्श होगा।

अखंड कीर्तन में मग्न हुए साधक

राजसमंद। कांकरोली में चौमुखा महादेव परिसर में आनंदमार्ग महिला विभाग की ओर से संचालित आनंद मार्ग उच्च प्राथमिक विद्यालय में रविवार को अखंड कीर्तन आयोजित किया गया। शुरुआत में अवधूतिका मंजरी दीदी, अवधूत गोपमयानंद व आनन्दमयी ने गुरूदेव आनंदमूर्ति की ओर से रचित प्रभात संगीत गायन किए। इसके बाद आचार्य के नेतृत्व में आनंदमार्ग के साधकों ने परमात्मा का नाम ही सब कुछ है के भाव में मग्न होकर अखंड कीर्तन बाबा नाम केवलम किया, जिससे वातावरण भक्तिुमय बन गया।

'लेकसिटी के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर रामसर वेटलैंड सिटी के साइन बोर्ड लगाए जाए'

उदयपुर। पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार की एनवायरमेंटल अप्रेजल कमिटी के एक्सपर्ट मेंबर तथा जल स्रोत विशेषज्ञ डॉ अनिल मेहता ने उदयपुर एयरपोर्ट,रेलवे स्टेशन,बस अड्डे तथा सभी प्रमुख पर्यटक स्थलों पर रामसर वेटलैंड सिटी के साइन बोर्ड लगाने की मांग की है।

डॉ.मेहता ने रविवार को यहाँ आयोजित झील संवाद अपने सम्बोधन के दौरान यह मांग की ।उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र रामसर कन्वेंशन द्वारा पहली बार विश्व के 31 शहरों को वेटलैंड सिटी घोषित किया गया है जिनमें उदयपुर भी सम्मिलित है। लेकिन इस अंतरराष्ट्रीय मान्यता का पूरे शहर में कोई सूचना पट्ट नहीं है। प्रशासन को एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन,बस अड्डे सहित शहर के प्रवेश मार्गों तथा प्रत्येक झील,पर्यटन स्थल पर हिंदी तथा अंग्रेजी में ष् उदयपुर:रामसर वेटलैंड सिटीष् के साइन बोर्ड लगाने चाहिए।डॉ अनिल मेहता ने कहा कि रामसर वेटलैंड सिटी बनने पर प्रधानमंत्री मोदी तथा केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने उदयपुर को बधाई दी थी। लेकिन स्थानीय स्तर पर इस उपलब्धि को उपयुक्त सम्मान नहीं मिला है। मेहता ने कहा कि रामसर वेटलैंड सिटी घोषित होने के पश्चात सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम उदयपुर की परस्पर जुड़ी झीलों का संरक्षण कर पारिस्थितिकी तंत्र का संवर्धन करें।

झील प्रेमी तेज शंकर पालीवाल ने कहा कि वर्ष 2018 के सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देश है कि जितनी भी झीलें इसरो के वेटलैंड एटलस में सम्मिलित है उन पर वेटलैंड संरक्षण एवं प्रबंधन अधिनियम की धारा 4 लागू होगी। उदयपुर की झीलें वेटलैंड एटलस में सम्मिलित है अत: गंभीरता व कठोरता से उदयपुर की झीलों का वेटलैंड नियमों के तहत संरक्षण होना चाहिए।पर्यावरणविद नंदकिशोर शर्मा ने कहा कि मेहता ने कहा कि उदयपुर भारत सरकार द्वारा गठित नेशनल रिवर सिटी अलायंस का भी हिस्सा है। ऐसे में उपयुक्त स्थलों पर ष्उदयपुररू रिवर सिटीष् के बोर्ड भी लगने चाहिए। शिक्षाविद कुशल रावल ने प्रशासन से आग्रह किया कि एन जी टी व सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों तथा पर्यावरण मंत्रालय की गाइडलाइंस के अनुसार के अनुसार झीलों के आस.पास के जोन ऑफ इन्फ्लूएंस का निर्धारण कर उसे संरक्षित किया जाए।

कार्यालय ग्राम पंचायत भरेव, पंचायत समिति लसाड़िया जिला सलुम्बर (राज.)

क्रमांकः-19 दिनांक-15/7/2025

-:ई निविदा सूचना -01एवं 02/2025-26:-

ग्राम पंचायत भरेव में महानरेगा व अन्य योजनाओं के करवाये जा रहे कार्यो हेतु निर्माण सामग्री उपापन की निविदाएं दिनांक 24.07.2025 सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण/ जानकारी sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN N0 1. ZUD2526GSOBO1218
2. ZUD2526GSOBO1219

प्रशासक	ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत भरेव	ग्राम पंचायत भरेव
पं.स. लसाड़िया	पं.स. लसाड़िया
जिला-सलुम्बर (राज.)	जिला-सलुम्बर (राज.)

कार्यालय ग्राम पंचायत लोयरा, पंचायत समिति बडगाँव जिला उदयपुर(राज.)

क्रमांकः-ग्रापलो/2025-26/99 दिनांक-11/7/2025

-:ई निविदा सूचना -01/2025-26:-

ग्राम पंचायत लोयरा में महानरेगा व अन्य योजनाओं के करवाये जा रहे कार्यो हेतु निर्माण सामग्री उपापन की निविदाएं दिनांक 28.07.2025 सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण/ जानकारी sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN N0 ZUD2526GLOBO1262

प्रशासक	ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत लोयरा	ग्राम पंचायत लोयरा
पं.स. बडगांव	पं.स. बडगांव
जिला-उदयपुर	जिला-उदयपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत रामा, पंचायत समिति बडगाँव जिला- उदयपुर(राज.)

क्रमांकः-ग्रा.प.रामा/25-26/132 दिनांक-10/7/2025

-:ई निविदा सूचना वर्ष 2025-26:-

ग्राम पंचायत रामा में विभिन्न निर्माण कार्यो हेतु इच्छुक एवं सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से ई निविदा द्वारा निविदाएं दिनांक 28.07.2025 तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण/ जानकारी sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN N0 ZUD2526WSOBO1267

प्रशासक	ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत रामा	ग्राम पंचायत रामा
पं.स. बडगांव	पं.स. बडगांव
जिला-उदयपुर	जिला-उदयपुर

डॉ महेश निर्विरोध अध्यक्ष बने

राजसमंद। दाधीच समाज राजसमंद की साधारण सभा की वार्षिक बैठक रविवार को अध्यक्ष सुरेश जोशी की अध्यक्षता में गणेश मन्दिर परिसर विनायक वाटिक कांकरोली प्रागंण में आयोजित की गई। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष का चुनाव कराया गया, जिसमें डॉ महेश दत्त दाधीच को आगामी दो वर्षों के लिए सर्व सम्मति से अध्यक्ष चुना गया। चुनाव अधिकारी डॉ मुरली मनोहर आचार्य के नेतृत्व में सम्पन्न हुई चुनाव प्रक्रिया में अध्यक्ष पद के लिए एक मात्र नामांकन डॉ महेश दत्त दाधीच का आने पर चुनाव अधिकारी ने उन्हें निर्विरोध अध्यक्ष घोषित किया। उपस्थि समस्त समाजजनों ने सर्वसम्मिति से अध्यक्ष चुने जाने पर हर्ष व्यक्त करते हुए नये अध्यक्ष का उपरना पहनाकर स्वागत किया। नव निर्वाचित अध्यक्ष ने कार्यभार ग्रहण करते हुए अपने सम्बोधन में कहा कि समाज ने जो जिम्मेदारी उन्हें सौपी है, उसे पूरा करने के लिए मैं आप सभी के सहयोग से पूरी निष्ठा एवं मन, कर्म, वचन से पूरा करने का प्रयास करूंगा। तथा शीघ्र ही कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश जोशी ने अपने दो वर्षो के कार्यकाल के दौरान दिए गये सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर आगामी माह आयोजित होने वाले महर्षि दधीचि जयंती महोत्व को हर्षोल्लास से मनाने को लेकर विचार-विमर्श कर सदस्यों के सुझाव लिए गए। सभी सदस्यों ने जयंती पर अन्य गतिविधियों के अतिरिक्त शोभायात्रा निकालने की ईच्छा व्यक्त की, जिस पर अध्यक्ष ने सभी की भावनाओं के अनुरूप जयंती को भव्य स्वरूप देने का भरोसा दिलाया। अंत में चुनाव अधिकारी डॉ मुरली मनोहर आचार्य ने शांतीपूर्ण चुनाव सम्पन्न कराने के लिए दिए सहायोग के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

मेवाड अंचल ज्ञानशाला का श्रुत संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन

राजसमंद। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ धर्मसंघ के मुनि सुरेशचंद्र हरनावा के सानिध्य में रविवार को प्रज्ञा विहार परिसर में ज्ञानशाला द्वारा संचालित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता रहे प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। गत सत्र तक मेवाड अंचल ज्ञानशाला ने जितनी भी प्रतियोगिताएं जिनमे शुद्ध अल्पाहार योजना, फ्लायर प्रतियोगिता, प्रशिक्षक स्टोरी टेलिंग कंपटीशन उन सबके विजेताओं और प्रतिभागियों को इनाम वितरण किये गए। कार्यक्रम में मुनि संबोध कुमार मेधांश ने बताया कि वे स्वयं ज्ञानशाला के 'ब्रेन चाइल्ड' है, इसलिए जहां जाते है, वहां कि ज्ञानशाला को हमेशा उच्चतम स्तर पर ले जाने का क्रम करते हैं। उन्होंने मेवाड अंचल ज्ञानशाला की बहुआकांक्षी कलरिंग पुस्तक 'पेंट दी सेंट' के बारे में जानकारी दी कि जब आचार्य मेवाड प्रवास करेंगे तब इसका लोकार्पण का प्रयास किया जाएगा। ज्ञानशाला संयोजिका नीता सोनी ने बताया कि फिलहाल मेवाड में 16 ज्ञानशालाएं क्रियान्वित हैं और 19० प्रशिक्षिका और 76० ज्ञानार्थी हैं। उन्होंने 11 कंठस्थ कि माला और चार स्वाध्याय के सोपान के बारे में गुरुदेव के आगमन पर उन्हें समर्पण करने की जानकारी प्रस्तुत करी। सभा मंत्री धनेन्द्र मेहता ने बताया कि ज्ञानशाला का प्रभाव आज नहीं, कल दिखेगा। कार्यक्रम में आमेट से आशा डूंगरवाल, कोमल भंडारी और भीलवाडा से सीमा बडोला, शोभना सिरहोया सरोज चोरडिया व प्रतियोगी ज्ञानर्थी, स्टोरी टेलिंग प्रतिभागी में रीना बाफना, राजनगर ज्ञानशाला से नेकी बडाला, राजुला मादरेचा और प्रतिभागी बच्चों ने भाग लिया।

एक दिवसीय प्रेक्षाध्यान शिविर में संभागियो ने लिया हिस्सा

राजसमंद। शहर के प्रज्ञा विहार में चातुर्मास कर रहे मुनि सुरेश कुमार हरनावा के सान्निध्य में प्रेक्षा वाहिनी के बैनर तले एक दिवसीय प्रेक्षा ध्यान आरोग्यम शिविर का आयोजन किया गया। शिविर को संबोधित करते हुए मुनि संबोध कुमार मेधांश ने कहा ध्यान किया नहीं जाता वरन हो जाता है, मन नहीं लगने के डर से अगर अभ्यास छोड दिया तो ध्यान आपकी जिंदगी बदल देती है। उन्होंने आहार विज्ञान, प्रेक्षा ध्यान और योग के बारे में जानकारी दी। प्रथम सत्र में योग प्रशिक्षक विनोद बोहरा ने योग, प्राणायाम व हास्य योग के प्रयोग करवाए, साथ ही उन्होंने ध्यान का अभ्यास भी करवाया। द्वितीय सत्र में प्रेक्षा फाउंडेशन जोनल संयोजक सीमा कवाडिया ने शरीर प्रेक्षा के प्रयोग करवाते हुए सूक्ष्म क्रियाएं करवाई।